पत्रांक.....3990..... / आ0प्र0

बिहार सरकार

आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेषक,

व्यास जी,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

सभी जिला पदाधिकारी,
बिहार।

पटना–15, दिनांक–16.10.2015

विषय– दुर्गापूजा / दशहरा पर्व 2015 के अवसर पर आपदा प्रबंधन की दृष्टि से की जाने वाली पूर्व तैयारी के संबंध में।

महाशय,

अवगत हैं कि इस वर्ष दशहरा पर्व दिनांक–19.10.2015 से 22.10.2015 तक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शहर के प्रमुख स्थानों पर मूर्ति एवं पंडाल की व्यवस्था की जाती है तथा लाखों की भीड़ मूर्ति एवं पंडालों को देखने के लिए उमड़ती है। पिछले वर्ष पटना के गाँधी मैदान में रावण वध के दौरान एक हादसा हुआ था, जिसमें 18 व्यक्तियों की मौत हो गई थी।

इस परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक हे कि दुर्गापूजा / दशहरा के सुअवसर पर संभावित दुर्घटना / आपदा की रोकथाम तथा आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए पूर्व तैयारियाँ सभी संबंधितों द्वारा किया जाना सुनिश्चित कराया जाए। नीचे पूर्व तैयारियों के संबंध में कतिपय सुझाव दिए जा रहे हैं :

पूजा पंडालों की व्यवस्था

1. पूजा पंडालों की व्यवस्था अग्निशमन विभाग द्वारा दिए गए दिशा–निर्देश के आलोक में सुनिश्चित किया जाए। पंडालों में पर्याप्त मात्रा में फायर बकेट (पानी एवं बालू से भरी बाल्टी) रखी जाए। बिजली / जेनरेटर की व्यवस्था पंडालों में इस प्रकार की जाए ताकि सॉर्ट–सर्किट से आग न लगे। पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। बिजली मिस्त्री 24 घंटे आयोजक एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के सम्पर्क में रहेंगे ताकि ससमय कहीं समस्या उत्पन्न होने पर उनकी सेवा ली जा सके।

2. पंडाल में आने–जाने हेतु प्रवेश द्वार एवं निकास द्वार की अलग–अलग व्यवस्था की जाए एवं महिलाओं और पुरूषों के लिए प्रवेश एवं निकास द्वार को बैरिकेटिंग कर दिया जाए।

3. बड़े पंडालों के समीप अथवा पंडालों के समूह के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित हो जिसमें दंडाधिकारी / पुलिस पदधिकारी के साथ चिकित्सा पदाधिकारी पदाधिकारी अपने दल के साथ उपस्थित रहें।